भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की 125वीं वर्षगांठ के अवसर पर
प्रधान मंत्री जी का भाषण
[28 December, 2009]

माननीय सोनिया जी, देवियो और सज्जनो,

आज भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना के 125 साल पूरे हुए हैं। आज का दिन निश्चय ही हम सबके लिए खुशी और गर्व का दिन है। पर आज हमारे लिए यह भी ज़रूरी है कि हम उन मूल्यों और आदर्शों को याद करें जिन्होंने कांग्रेस को एक महान पार्टी बनाया है।

कांग्रेस विश्व की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टियों में से एक है और अगर हम सिर्फ विकासशील देशों को देखें तो हमारी पार्टी सबसे पुरानी पार्टी है। कांग्रेस का 125 वर्ष का शानदार इतिहास है। हमारी पार्टी न केवल हमारे देशवासियों के लिए रहनुमाई का ज़रिया रही है बल्कि कांग्रेस ने दुनिया भर में गरीब और बेसहारा लोगों में समय-समय पर उम्मीद जगाई है।

आज इस 125 वर्ष पुरानी पार्टी का सदस्य होने के नाते हमें उन बातों पर गौर करना चाहिए जो कांग्रेस को महान बनाती हैं। हमारी पार्टी का समाज के सबसे गरीब और कमजोर आदमी की भलाई और सामाजिक न्याय का अहद रहा है। हम आज़ादी और बुनियादी मानव अधिकारों के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रहे हैं। हमारी पार्टी का धर्मनिरपेक्षता और तमाम धर्मों की समानता में अटूट विश्वास है। हम ऐसे आर्थिक विकास के लिए समर्पित हैं जिसका फायदा समाज के हर तबके तक पहुंचता हो। यह तमाम खूबियां ही कांग्रेस पार्टी को एक महान पार्टी बनाती हैं। आज इन उसूलों पर चलते हुए हमें 21वीं शताब्दी के नए भारत का निर्माण करना है।

भाइयों और बहनों,

कांग्रेस पार्टी की सोच केन्द्र सरकार के पिछले करीब 5 सालों के कामों में साफ नज़र आती है। आज कांग्रेस पार्टी के हरेक सदस्य को इस बात का संतोष है कि कांग्रेस के नेतृत्व में केन्द्र की यूपीए सरकार की बहुत सी कामयाबियां रही हैं। हमारी सरकार ने आर्थिक विकास की दर को तेज़ किया है। विश्व भर में छाई आर्थिक मंदी के बावजूद वर्ष 2008-09 में हमारा विकास 6.7% की दर से हुआ। लेकिन इससे भी अहम यह बात है कि हमने ऐसे विकास पर ज़ोर दिया है जिसका फ़ायदा समाज के हर तबके और हर आदमी तक पहुंचे। हमें इस बात की खुशी है कि हमारी सरकार ने गरीबों और सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े हुए लोगों की भलाई के लिए पूरी मेहनत और लगन से काम किया है। ग्रामीण इलाकों के हमारे गरीब भाइयों और बहनों को आज साल में 100 दिनों का रोज़गार पाने की गारंटी हासिल है। अल्पसंख्यकों की भलाई के लिए ख़ास प्रोग्राम शुरू किए गए हैं। महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए भी ख़ास कोशिश की गई है। किसानों के कर्ज़ माफ किए गए हैं ताकि वे नए सिरे से अपनी ज़िन्दगी शुरू कर सकें। ग्रामीण इलाकों में बुनियादी ढांचे के विकास और सुधार के लिए भारत निर्माण कार्यक्रम लागू किया गया है। National Rural Health Mission के तहत गांव-गांव तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा रही हैं। शिक्षा के हर स्तर पर जितना विस्तार पिछले पांच सालों में हुआ है उतना पहले कभी नहीं हुआ। शासन में अधिक ज़वाबदेही और पारदर्शिता लाने के लिए सूचना का अधिकार कानून लागू किया गया है।

यहां मेरा मक़सद यूपीए सरकार की सभी कामयाबियों का ब्यौरा पेश करना नहीं है। मैं तो सिर्फ़ यह कहना चाहता हूं कि हमारी कोशिश यह रही है कि कांग्रेस जिन उसूलों में यक़ीन रखती है, उनका इज़हार सरकार के तमाम कामों से भी हो। पर मैं यह दावा भी नहीं करता कि हमारे काम में कोई कमी नहीं रही है। हमारी कोशिश यह होनी चाहिए कि हम अपनी कमियों को दूर करें और अपने अधूरे कामों को और ज़्यादा मेहनत और लगन से पूरा करें।

भाइयो और बहनो,

आप सबको मालूम है कि महात्मा गांधी के नेतृत्व में भारत को आज़ादी दिलाने में कांग्रेस की मुख्य भूमिका रही है। इस लड़ाई में दादाभाई नौरोजी, गोपालकृष्ण गोखले, बाल गंगाधर तिलक, जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभ भाई पटेल और मौलाना अबुल कलाम आज़ाद जैसे महान नेताओं ने हिस्सा लिया और हमारा नेतृत्व किया। पं. जवाहरलाल

नेहरू के नेतृत्व में आज़ादी के बाद हमने तरक्की और खुशहाली की ओर अपने पहले कदम रखे। मेरा मानना है कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के योगदान की वजह से ही आज़ादी के बाद के लगभग 62 सालों के सफ़र को हम बखूबी तय कर पाए हैं। मुझे पं. नेहरू के 1950 में कहे गए ये शब्द आज याद आते हैं ' मैं इस बात से सहमत नहीं हूं कि आज़ादी मिलने के बाद, कांग्रेस का काम खत्म हो गया है... कांग्रेस देश को एक रखने के लिए हमारी सबसे बड़ी ताकत है। अगर कांग्रेस नहीं रही तो देश छोटे-छोटे टुकड़ों में बंट जाएगा।'

पं. नेहरू के ये शब्द आज भी उतने ही महत्वपूर्ण और प्रासंगिक हैं जितने उस वक्त थे। कुछ मायनों में भारत को कांग्रेस की जितनी ज़रूरत ,आज है उतनी पहले कभी नहीं रही। आज के दिन सिर्फ़ कांग्रेस ही ऐसी पार्टी है जो देश को एक रखते हुए तेज़ी से तरक्की के रास्ते पर आगे बढ़ा सकती है।

भाइयो और बहनो,

125 साल पहले जब कांग्रेस की स्थापना हुई, तो हमारे सामने गंभीर चुनौतियां थीं। हम गुलाम थे, हम लाचार थे, हम गरीब थे। हम दुनिया में इंसानी बिरादरियों की ज़मात में हाशिए पर थे। एक राजनीतिक दल के रूप में कांग्रेस ने एक विशाल और विविधताओं से भरे हुए जन-समुदाय को एक करके एक नया राष्ट्र बनाने का काम किया। आज़ादी के बाद हमने जो तरक्की की उसकी वजह से दुनिया आज हिन्दुस्तान और हिन्दुस्तानियों को इज़्ज़त की नज़रों से देखती है। लेकिन इतनी तरक्की के बावजूद भी आज हम नई तरह की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। हमारे देश के सामने आतंकवाद, सांप्रदायिकता, नक्सलवाद, क्षेत्रवाद जैसी बड़ी चुनौतियाँ हैं, जिनका सामना करने के लिए कांग्रेस ही सक्षम है। ऐसा इसलिए है कि हमारी पार्टी की राजनीति समांज और देश को जोड़ने वाली राजनीति है, न कि बांटने वाली। हमारी पार्टी संविधान के दायरे में रहते हुए हर तरह की विचारधारा को accommodate करने के लिए तैयार रहती है। हम अलग-अलग नज़रियात रखने वाले तमाम लोगों की शिकायतों और मुश्किलात का हल बातचीत के ज़रिए निकालने में यक़ीन रखते हैं।

भाइयो और बहनो,

हम सबको इस बात में ज़रा भी संदेह नहीं होना चाहिए कि हमारा मिशन अभी खत्म नहीं हुआ है। आज भी देश के प्रति हमारी एक बड़ी जिम्मेदारी है। जो काम हमने अपने 125 सालों के लंबे इतिहास में किया है, उसे हमें और मज़बूती से आगे बढ़ाना है। ऐसा करने में हमें अपने नौजवान साथियों को साथ लेकर चलना है। मेरा मानना है कि इसी काम की बुनियाद पर भारत तेज़ी से विकास और खुशहाली के रास्ते पर आगे बढ़ सकता है और 21वीं शताब्दी की एक बड़ी ताकत के रूप में उभर सकता है।

अगर कांग्रेस कमज़ोर होती है तो भारत कमज़ोर होता है। इसलिए हमारा पहला कर्त्तव्य यह है कि हम कांग्रेस को एक राजनैतिक दल के रूप में और मज़बूत करें। हमारे सामने बहुत सी चुनौतियां हैं जिनका सामना हमें करना है। पर चुनौतियों का सामना हमने पहले भी किया है और वक्त के साथ पार्टी में बदलाव लाना हमारी ख़ासियत रही है। मुझे विश्वास है आज की तेज़ी से बदलती हुई दुनिया की ज़रूरतों के मुताबिक हम अपनी पार्टी में भी बदलाव लाते रहेंगे। यह हमारी खुशनसीबी है कि ऐसा करने के लिए हमें सोनिया जी की रहनुमाई हासिल है।

भाइयों और बहनों,

आज मैं इस खुशी के दिन आप सबको एक बार फिर बधाई देता हूँ। मैं आप सबसे यह अपील भी करना चाहता हूँ कि आप कांग्रेस को आम आदमी के और करीब लाएं। किसी भी राजनैतिक दल की ताकत समाज की जड़ों से ही आती है। मुझे पूरा यक़ीन है कि आप सब इस बात का ध्यान अपने काम में रखेंगे। मुझे यह भी यक़ीन है कि आने वाले समय में सोनिया जी के नेतृत्व में हमारी पार्टी और मज़बूत होगी। आइए एक उज्जवल भविष्य की तरफ बढ़ने के लिए सोनिया जी के हाथ मज़बूत करें।

जय हिन्द !

***